INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

ANSWER KEY OF PRE-MID -TERM EXAMINATION 2025-26		
CLASS-VI	SUBJECT- HINDI (2nd LANG.)	MAX. MARKS: 30
Date:13-05-25	SET-1	TIME-1 HOUR

खंड-क (अपठित गद्यांश)

प्रश्न1- उत्तर गद्यांश - 5

क- * नदी किनारे

ख- * चिड़िया ने

ग- * बड़ी ही बेरुखी के साथ

घ- * पहला पेड़

ङ- * बेरुखी की

खंड-ख (व्याकरण)

प्रश्न.2- उत्तर- पर्यायावाची शब्द लिखिए- 2

1 दिन - दिवस , वार , वासर

2 धरती - धरा , भू , भूमि

3 **किनारा - तट , तीर , कूल**

प्रश्न 3- उत्तर हिंदी में लिखिए - 2

सात, दस , बारह, पाँच ,बीस ,तेरह (7, 10, 12, 5, 20, 13)

प्रश्न 4- उत्तर- विलोम लिखिए- 3

1 हिंसा-अहिंसा 2 दिन-रात 3 धर्म-अधर्म 4 न्याय- अन्याय **5** छोटा-बड़ा

प्रश्न 5- उत्तर-लिंग बदलिए- 3

1 पुत्र-पुत्री 2 दादा-दादी 3 चाचा- चाची 4 छात्र -छात्रा 5 नौकर- नौकरानी

खंड-ग (पाठ्य पुस्तक)

प्रश्न 6- उत्तर- प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। 3

क- कोयल का मधुरगान वसंत ऋतु में सुनाई देता है।

ख- घोड़ा देखकर बाबा भारती को बड़ा आनंद आता था।

ग- झरने पहाड़ियों से झरते हैं।

घ- बाबा भारती के घोड़े का नाम सुलतान था।

प्रश्न 7- उत्तर - दो प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए। 4

क- श्रीकृष्ण ने मधुर बाँसुरी बजाकर सबका मन मोह लिया और गीता का संदेश भी दिया।

ख- बाबा भारती गाँव से बाहर एक छोटे से मंदिर में रहते थे।वहीं भगवान का भजन किया करते थे।

ग- घोड़े के बारे में खड्गसिंह को पता चला। वह इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे।

घ- प्रेम के कारण कवि भारत को मातृभूमि की संज्ञा देता है। अंत में कवि इस पावन धरती को जन्मभूमि कहा क्योंकि वह यहाँ पर जन्मा है और उसे इस जन्मभूमि पर गर्व है।

प्रश्न 8- उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए। 3

क- कवि ने भारत को 'युद्ध भूमि मेरी'कहा क्योंकि भारत की भूमि सदा संघर्ष की भूमि रही है यह हमें हर तरह के अभाव, अज्ञान और दुख से लड़ना सिखाती है । भारत पर कितने ही हमले किए गए लेकिन भारतीयों शासकों ने अपनी सभ्यता एवं संस्कृति पर आँच नहीं आने दी।

ख- बाबा भारती को अपने घोड़े सुलतान को देखकर बड़ा आनंद मिलता था। जैसे माँ को अपने बेटे को देखकर, साहूकार को अपने देनदार और किसान को अपने लहलहाते खेत को देखकर आनंद आता है, उसी प्रकार बाबा भारती को अपने घोड़े को देखकर आनंद मिलता था। वे सुलतान के बिना एक क्षण भी नहीं रह सकते थे।

ग - बाबा भारती का भगवद्-भजन के बाद जो समय बचता, वह घोड़े की सेवा में अर्पण हो जाता। वे रोजाना अपने हाथ से खरहरा करते, खुद दाना खिलाते थे।वे ऐसी लगन और प्यार से अपने घोड़े सुलतान की देखभाल करते थे कि मानो वह उनका प्रियजन हो । उन्हें रुपया , माल , जमीन तथा सुखमय जीवन से भी घृणा थी। वे गाँव के बाहर एक छोटे मंदिर में रहते थे।

खंड-घ (लेखन कार्य)

प्रश्न 9- उत्तर - अनुच्छेद -

विषय वस्तु- 2 भाषा-1 प्रस्तुती-2

****